श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति,
राजस्थान का उद्‌बोधन

उद्‌बोधन ''माननीय राज्यपाल महोदय''

दिनांक 30 अप्रेल, 2020 **समय दोपहर : 01.15 बजे**

स्थान : राजभवन, जयपुर

कोविड–19 के इस संकट के दौर में हम विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा दिये जाने और उनसे लगातार संवाद किये जाने का प्रयास कर रहे है। इस प्रकोप का असर विश्व स्तर पर उच्च शिक्षा एवं शैक्षणिक गतिविधियो पर पड़ा है, आवश्यकता है कि हम विद्यार्थियों की जरूरतों को सुने, समझे तथा नवीनतम तकनीकी से उन तक पहुँचने एवं उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करें।

एक अनुमान के अनुसार विश्व स्तर पर सभी स्कूल एवं विश्वविद्यालय बन्द होने के कारण लगभग 1.5 बिलियन छात्र एवं युवा प्रभावित हुये है। ये राष्ट्रव्यापी बन्द दुनियां की 91 प्रतिशत छात्र आबादी पर असर डाल रहे है।

कोविड–19 ने उच्च शिक्षा को प्रसारित करने के तरीके में परिवर्तन किया है, नतीजतन विश्वविद्यालय तेजी से

इस तरह से बदल रहे है, जिसमें वे छात्रों एवं शिक्षकों की विकसित जरूरतों को पूरा करने के लिये संवाद और संचालन में बदलाव ला सके।

अतः वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कोरोना के प्रकोप में उच्च शिक्षा की निरंतरता बनाये रखने के लिए एक ही विकल्प सभी को समझ मे आ रहा है– ऑन लाइन शिक्षण

हमारा सारा ध्यान उस सामान्य विद्यार्थी पर है जो राज्य के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र में है और इस आपदा के कारण शिक्षा से वचिंत है, प्रयास इस बात का है कि जो युवा छात्र लॉकडाउन के कारण घर से नही निकल पा रहे है, उन्हें किस प्रकार शैक्षणिक गतिविधियों में व्यस्त रखा जाये, जिससे शिक्षा के साथ–साथ उनका मनोबल भी बढता रहें। साथ ही उसे मिलने वाला ऑनलाईन कोर्स उन्ही के शिक्षको के द्वारा तैयार किया गया हो जिससें वह सामाजिक तौर पर दूर रहते हुए भी अपने शिक्षको से ''कनेक्ट'' रहे।

विश्वविद्यालय के स्तर से सबसे बड़ा चैलेन्ज ये है कि इन उपलब्ध संसाधनो में विश्वविद्यालय कैसे छात्रों को best serve करें। विश्वविद्यालयों द्वारा छात्रों के साथ सीधे संवाद और संचार का सबसे सस्ता, सुलभ और सुविधाजनक तरीका क्या हो ?

कैसे यह सुनिश्चित करे की विद्यार्थियों का अकादमिक वर्ष खराब नही हों। क्या विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक काउसंलिग के द्वारा पाठ्यक्रम में आगामी सत्र में ऐसे आवश्यक सुधार कर सकती है, जिससे आने वाले कम समय में पाठ्यक्रम पूरा हो सके। साथ ही ऐसा और क्या बदलाव विश्वविद्यालय अपनी वेबसाईट में करे जिससे एक सामान्य छात्र को परीक्षा संबंधी या अन्य जानकारीयॉ अधिकृत रूप से घर बैठे मिल सकें। कैसे विश्वविद्यालयों द्वारा छात्रो को यूजी. एवं पीजी की परीक्षाओं के बाद नौकरीयॉ दिलवाने में सहायता प्रदान की जा सकतीं है। किस प्रकार हम इन

लिमिटेड रिर्सोर्स को Mobilize एवं Re-appropriate करके आईटी के आधुनिक संसाधन जुटा सकते है।

इन सभी प्रश्नो का समुचित समाधान खोजने और उनको Address करने का समय है और शायद हर स्तर पर कुछ सीख कर आगे बढने का अवसर भी है।

राज्य में भी कोविड़–19 के कारण हमारे लगभग 28 लाख छात्र–छात्राओं को किसी प्रकार की शैक्षणिक हानि नहीं हो एंव महामारी के चलते विश्वविद्यालयों में शिक्षण, प्रशिक्षण, सैद्वान्तिक एवं प्रायोगिक परीक्षायें किस प्रकार से आयोजित कि जाये, इसको दृष्टिगत रखते हुए मेरे द्वारा एक दस सदस्यों की टास्क फोर्स का गठन किया गया हैं। टास्क फोर्स गहन मंथन के द्वारा उस आपदा के कारण छात्रो को आने वाली परेशानी से दूर करने का सुझाव देगी।

इस ‘‘टास्क फोर्स’’ की ‘‘वीडियों कान्फ्रेसिंग’’ द्वारा दो बैठक एवं एक Learning session आयोजित किया जा

चुका है। ''टास्क फोर्स''' द्वारा दी जाने वाली अनुशंसाओं की मैं निरंतर प्रति सप्ताह समीक्षा कर रहा हूँ। टास्क फोर्स प्रयासरत है कि वह किस प्रकार यह ऑनलाईन कोर्स को सबसे सरल एवं सस्ते माध्यम से दूरस्थ स्थान पर रह रहे छात्र–छात्राओ तक पहुॅचा सके जिनके पास लेपटाप या अन्य सुविधा नही हैं। मैं अपेक्षा करता हूँ कि टास्क फोर्स द्वारा दी जाने वाली अनुसंशाएं कुलपतियों के लिए नीति निर्धारण में सहायक सिद्व होगी।

मुझे जानकारी दी गई है कि लर्निग मैनजमेन्ट सिस्टम के बारे में सभी राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयों के कुलपति महोदयो एवं इच्छुक फेकल्टी को माइक्रोसोफ्रट टीम एप के माध्यम से आई.टी.आई लिमिटेड द्वारा प्रजेटेशन दिया जा चुका है तथा इस पर विस्तार से चर्चा भी की जा चुकी है।

मेरा ऐसा मानना है कि विश्वविद्यालय को कोई ऐसा आई.टी. प्लेटफार्म चाहिए जो आज की जरूरतें पूरी कर सकें एवं आवश्कता के अनुरूप कार्य में लिया जा सकें।

इस बात से आप सभी सहमत होगे की इस परिस्थिति के बाद भी हमें Conventional शिक्षा पद्वति के अतिरिक्त सभी छात्रो तक पहुचने के लिए एक आई.टी मॉड्यूल की आवश्यकता रहेगी, जिससे न केवल शिक्षा की गुणवत्ता मे सुधार आयेगा बल्कि हम काफी हद तक फेकल्टी की भी accountability तय कर पायेगे एवं समग्र रूप से मॉनिटरीग भी हो सकेगी।

मेरी आप से यह अपेक्षा से है कि आप सभी इस लर्निंग माड्यूल पर विस्तृत चर्चा कर आगामी सत्र से इस को लागू करने पर विचार कर सकते है।

इस बैठक के एजेंड़ा के प्रथम बिन्दु के रूप में आज में आप सभी से टास्क फोर्स द्वारा दी गई अनुशषाओं को विस्तार से साझा करूंगा और टास्क फोर्स के सदस्यों के अतिरिक्त अन्य कुलपति महोदयो से सक्षेप में इस विषय पर फीडबैक भी लेना चाहुॅगा।

मेरा यह पूर्ण विश्वास है कि संयुक्त रूप में सभी शिक्षाविद्, कुलपति एवं ऐसे सभी शिक्षकों के सहयोग से जो आईटी के क्षेंत्र में अच्छी समझ रखते है, को साथ लेकर हम सफलता पूर्वक इस संकट से निकल जायेगें।

धन्यवाद। जय हिन्द।